Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women
Comibatore-641 043
Master's Degree Examination –November 2017
I Semester

Class: I PG | **Max. Marks: 60**
Major: Hindi and Journalism | **Time: 3 Hours**

17MHJC03 Ancient Poetry

PART – A (10x½=5)

सही उत्तर को गोलाकृत कीजिए।

(1) हिन्दी काव्य का स्वर्णयुग किस काल को माना जाता है?
(a) आदिकाल, (b) भक्तिकाल, (c) रीतिकाल, (d) आधुनिककाल।

(2) माया के कितने रूप है?
(a) 5, (b) 4, (c) 3, (d) 2.

(3) कबीरदास की पत्नी का नाम क्या है?
(a) नीरु, (b) नीमा, (c) लोई, (d) कोई।

(4) हिन्दी में रस निरूपण करनेवाले प्रथम कवि कौन है?
(a) कृपाराम, (b) मोटेराम, (c) भोलाराम, (d) तोताराम।

(5) रसमंजरी किसकी रचना है? –
(a) कृष्णदास, (b) नन्ददास, (c) केशवदास, (d) रामदास।

(6) बिहारी किस काव्य का कवि माने जाते हैं?
(a) रीतिमुक्त (b) रीतिसिद्ध (c) रीतिबद्ध, (d) गद्यकाव्य।

(7) रहीम किसके पुत्र थे?
(a) अमीरखाँ, (b) रसखान, (c) अलीअहमद (d) बैरमखाँ।

(8) प्रेमवाटिका किसकी रचना है?
(a) रसखान, (b) रहीम, (c) भूषण, (d) घनानंद।

(P.T.O)

9. कबीर किस वाद के विरोधी है?
   (a) हालावाद, (b) प्रगतिवाद, (c) प्रयोगवाद, (d) अवतारवाद।
10. रीति परम्परा के अन्तिम प्रतिभासम्पन्न कवि के रूप में कौन प्रसिद्ध हुआ?
   (a) मंझन, (b) पद्माकर, (c) केशवदास, (d) देव।

PART-B (5x4 = 20)

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।
उत्तर 200 शब्दों से अधिक का न हो।

11(a). साई इतना दीजिए, जामें कुटुम्ब समाय।
मैं भी भूखा न रहौं, साधु न भूखा जाय॥

(या)

(b) पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ पंडित भया न कोय।
ढाई अच्छर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होय॥

12(a) सरवर हिया घटत निति जाई। टूक टूक होइ होइ बिहराई।
बिरहत हिया करहु पिया टेका। दिस्टि दुवँगरा मेरवहु एका।
कँवल जो बिगसा मानसर छारहि मिलै सुखाइ।
अबहुँ बेलि फिरि जौं पिय सींचहु माइ॥

(या)

(b) पुरबा लाग पुहुमि जल पूरी। आक जवास भई हों झूरी।
धनि सूखी भर भादों माहाँ। अबहुँ आइ न सींचसि नाहाँ।
जल थल भरे अपूरि सब गँगन धरति मिलि एक।
धनि जोबन औगाह महँ दे बूड़त पिय टेक॥

(P.T.O)

13(a) चरण-कमल बंदौं हरि राई
जाकि कृपा पंगु गिरि लघै, अंधे कौ सब कुछ दरसाई।
बहिरो सुनै मूक पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराई।
सूरदास स्वामी करुणामय, बार-बार बन्दौं तेहि पाई॥

(या)

(b) ऊधौ मन न भए दस-बीस।
एक हुतो सो गयौ स्याम संग, को अवराधै ईस।
इंद्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस।
आसा लागि रहित तन स्वाहा, जीवहिं कोट बरीस॥

14(a) सजि बन साजु समाजु सबु वनिता बंधु समेत।
बंदि बिप्र गुर चरन प्रभु चले करि सबहि अचेत॥

(या)

(b) रथु हाँकेउ हय राम तन हेरि हेरि हिहिनाहिं।
देख निषादु विषादवस धुनहिं सीस पछिताहिं॥

15(a) राम-नाम रस पीजै मनुआँ, राम-नाम-रस पीजै।
तजि कुसंग सत्संग बैठि नित, हरि-चरचा सुनि लीजै।
काम-क्रोध मद लोभ मोह कूँ, बहा चित्त से दीजै।
मीरा के प्रभु गिरिधर नागर, ताहि के रंग में भीजै।

(या)

(b) अलि इन लोचन को कछु, उपजी बडी बलाय।
नीर भरे नित प्रति रहे, तऊ न प्यास बुझाय॥

(P.T.O)

PART-C = (5×7=35)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
उत्तर 600 शब्दों से अधिक का न हो।

16(a). कबीर के जीवन-वृत्त का परिचय देकर उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(या)

(b) पठित पद्यों के आधार पर नागमती के वियोग का वर्णन कीजिए।

17(a) रीतिकाल की सामान्य परिस्थियों तथा उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(या)

(b) सूरदास के विनयपद के आधार पर कृष्ण की यशोदा से क्या शिकायत है?

18(a) रामभक्ति के प्रचार में तुलसीदास जी ने जो योग दिया है उनका संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(या)

(b) पठित पद्यों के आधार-पर मीरा की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

19(a) रीतिकाल में हिन्दी काव्य के विकास पर संक्षेप में लिखिए।

(या)

(b) अपने पाठ्यक्रम के तुलसी के अयोध्या कांड के पद्यों का सार लिखिए।

20(a) टिप्पणियाँ लिखिए :-
(i) घनानंद, (ii) रहीम।

(या)

(b) (i) रसखान, (ii) केशवदास।